



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 573]
No. 573]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 3, 1985/अग्रहायण 12, 1907
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 3, 1985/AGRAHAYANA 12, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(खाद्य विभाग)
आदेश
नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1985

का. आ. 875 (अ).—केन्द्रीय सरकार ने भूतपूर्व कृषि और सिंचाई
मंत्रालय (खाद्य विभाग) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अध्यादेश
1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उप-धारा (2) के खंड (ख)
के अधिन जारी किए गए अपने आदेश सं. 705 (अ) तारीख 8 दिसम्बर,
1978 द्वारा निदेश दिया था कि महाराष्ट्र राज्य में जिला बुलडाना में
जीजामाता सहकारी शक्कर कारखाना लि. का प्रबंध 13 दिसम्बर,
1978 से तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित हो
जाएगा; और निहित होने की अवधि चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण)
अधिनियम 1978 (1978 का 49) का धारा 3 के अधिन समय-समय
पर जारी किए गए आदेशों, अर्थात् भारत सरकार के खाद्य और नागरिक
पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) के सं. का.आ. 895 (अ) तारीख 11
दिसम्बर 1981, का.आ. सं. 909 (अ) तारीख 7 दिसम्बर, 1984
और का.आ. 207 (अ) तारीख 21 मार्च 1985 के अनुसार 12
दिसम्बर, 1985 तक बढ़ा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबंध
उसके स्वामियों को, जिन्हें उक्त चीनी उपक्रम का प्रबंध ले लिया गया था,
प्रत्यावर्तित कर देना समीचीन है।

अतः केन्द्रीय सरकार, साधारण खंड अधिनियम 1897 (1897 का 10) की
धारा 21 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करने हुए, तारीख 6-12-85 से आदेश सं. का.आ. 207(अ)
तारीख 21 मार्च, 1985 के साथ पठित आदेश सं. का.आ. 705(अ)
तारीख 8 दिसम्बर, 1978 को विवक्षित करती है।

[फा. सं. 4-6/85-न.एस.यू.]
वी. लक्ष्मी रत्न, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES
(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 3rd December, 1985

S.O. 875(E).—Whereas by its order No. S.O. 705
(E), dated the 8th December, 1978, issued under
clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Sugar

Undertakings (Taking over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), the Central Government in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), directed that the management of the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, District Buldana in the State of Maharashtra shall vest in the Central Government for a period of three years with effect from the 13th December, 1978, and the period of the said vestment was extended from time to time up to the 12th December, 1985, vide orders of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 895(E), dated the 11th December, 1981, S.O. No. 909(E), dated the 7th December, 1984, and S.O. 207(F), dated the 21st March, 1985, issued under section 3 of the Sugar Undertakings (Taking over of Management) Act, 1978 (49 of 1978);

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient that the management of the said sugar undertaking should be restored to the owners from whom the management of the said sugar undertaking was taken over;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act read with section 21 of the General Clause Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby rescind the Order No. S.O. 705(E), dated the 8th December, 1978 read with the Order No. S.O. 207(E), dated the 21st March, 1985 with effect from the 6th December, 1985.

[F. No. 4-6/85-NSU]

V. LAKSHMI RATAN, Jt. Secy.